प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र, 2015–16

हिन्दी

समय – 3 घंटे **कक्षा – ग्यारहवीं** **पूर्णांक – 90**

निर्देश – सभी प्रष्न अनिवार्य है। क्रमषः खण्डवार प्रष्नों के उत्तर लिखें ।

खण्ड 'क'

प्र.1 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1×5=5)

'सर ! पहचाना मुझे ?'
बारिश में भीगता आया कोई
कपड़े कीचड़–सने और बालों में पानी ।
बैठा । छन–भर सुस्ताया । बोला, नभ की ओर देख –
'गंगा मैया पाहुन बनकर आई थीं,
झोपड़ी में रहकर लौट गईं ।
नैहर आई बेटी की भाँति
चार दीवारों में कुदकती–फुदकती रहीं
खाली हाथ वापस कैसे जातीं !
घरवाली तो बच गई –
दीवारें ढहीं, चूल्हा बुझा, बरतन–भाँडे–
जो भी था सब चला गया ।
प्रसाद–रूप में बचा है नैनों में थोड़ा खारा पानी
पत्नी को साथ ले, सर, अब लड़ रहा हूँ
ढही दीवार खड़ी कर रहा हूँ
काढ़ा–कीचड़ निकाल फेंक रहा हूँ ।
मेरा हाथ जेब की ओर जाते देख
वह उठा, बोला – 'सर, पैसे नहीं चाहिए ।
जरा अकेलापन महसूस हुआ तो चला आया
घर–गृहस्थी चौपट हो गई पर
रीढ़ की हड्डी मज़बूत है सर !
पीठ पर हाथ की थपकी देकर
आशीर्वाद दीजिए –
लड़ते रहो ।'

क) बाढ़ की तुलना मायके आई हुई बेटी से क्यों की गई है ?

ख) बाढ़ का क्या प्रभाव पड़ा ?

ग) सर का हाथ जेब की ओर क्यों गया होगा ?

घ) आगंतुक सर के घर क्यों आया था ?

ङ) कैसे कह सकते हैं कि आगंतुक स्वाभिमानी और संघर्षशील व्यक्ति है ?

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(10×1=10)**

यह संतोष और गर्व की बात है कि देश वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षेत्र में आशातीत प्रगति कर रहा है । विश्व के समृद्ध अर्थव्यवस्था वाले देशों से टक्कर ले रहा है और उनसे आगे निकल जाना चाहता है । किंतु इस प्रगति के उजले पहलू के साथ एक धुँधला पहलू भी है जिससे हम छुटकारा चाहते हैं । वह है नैतिकता का पहलू । यदि हमारे हृदय में सत्य, ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा और मानवीय भावनाएँ नहीं हैं; देश के मान–सम्मान का ध्यान नहीं है; तो सारी प्रगति निरर्थक होगी । आज यह आम धारणा है कि बिना हथेली गर्म किए साधारण–सा काम भी नहीं हो सकता । भ्रष्ट अधिकारियों और भ्रष्ट जनसेवकों में अपना घर भरने की होड़ लगी है। उन्हें न समाज की चिंता है, न देश की ।

समाचार–पत्रों में अब ये रोजमर्रा की घटनाएँ हो गई हैं। लोग मान बैठे हैं कि यही हमारा राष्ट्रीय चरित्र है, जब कि यह सच नहीं है । नैतिकता मरी नहीं है, पर प्रचार अनैतिकता का हो रहा है । लोगों में यह धारणा घर करती जा रही है कि जब बड़े लोग ही ऐसा कर रहे हैं तो हम क्या करें ? सबसे पहले तो इस सोच से मुक्ति पाना ज़रूरी है, और उसके बाद यह संकल्प कि भ्रष्टाचार से मुक्त समाज बनाएँगे । उन्हें बेनकाब करेंगे जो देश के नैतिक चरित्र को बिगाड़ रहे हैं ।

क) देशवासियों के लिए गर्व की बात क्या है ?

ख) देश की आशातीत प्रगति से जुड़ा धुँधला पक्ष क्या है ?

ग) नैतिक चरित्र से लेखक का क्या आशय है ?

घ) देश की प्रगति कब निरर्थक हो सकती है ?

ङ) 'नैतिकता मरी नहीं है' – पक्ष या विपक्ष में अपने विचार 2–3 वाक्यों में लिखिए ।

च) गद्यांश में प्रयुक्त किसी एक मुहावरे का वाक्य–प्रयोग कीजिए ।

छ) समाज अनैतिक पहलू से कैसे मुक्ति पा सकता है ?

ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

झ) प्रत्यय अलग कीजिए – नैतिकता, ईमानदारी

ञ) उपसर्ग अलग कीजिए – निरर्थक, अधिकारी ।

खण्ड 'ख'

प्र.3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए – **(5)**

क) नारियों की सुरक्षा के अधिकार

ख) भारतीय किसान : आत्महत्याएँ क्यों ?

ग) विज्ञापनों का हमारे जीवन पर प्रभाव

घ) साहस जहाँ सिद्धि वहाँ

प्र.4 पानी की आपूर्ति में अनियमितता को दूर कर नियमित करने का 'परिपत्र' जल–विभाग के अधिकारी को दिल्ली के मुख्यमंत्री की ओर से लिखिए । **(5)**

अथवा

अपने विद्यालय के प्राचार्य की ओर से राज्य के शिक्षामंत्री को विद्यालय के वार्षिक–उत्सव में अध्यक्षता करने के लिए सरकारी पत्र लिखिए ।

प्र.5 क) ;पद्ध भारत में अखबारी पत्रकारिता की शुरुआत कब और किस अखबार से हुई ? **(5)**

;पपद्ध समकालीन भारत का सबसे बड़ा पत्रकार कौन था ?

;पपपद्ध डेडलाइन क्या है ?

;पअद्ध रेखांकन एवं कार्टोग्राफ किसे कहते हैं ?

;अद्ध वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है ?

ख) **'पढ़े लिखे लोगों का विदेश पलायन'** अथवा **'स्त्री शिक्षा की प्रतीक मलाला'** पर एक आलेख लिखिए । **(5)**

प्र.6 **'पुस्तक मेला'** पर एक रिपोर्ट लिखिए । **(5)**

अथवा

'दिग्भ्रमित युवा पीढ़ी' पर फीचर लेखन कीजिए ।

खण्ड 'ग'

प्र.7 **निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक के दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(2×4=8)**

क) घर कि घर में सब जुड़े हैं,
सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें,
और माँ बिन–पढ़ी मेरी,
दुःख में वह गढ़ी मेरी
माँ कि जिसकी गोद में सिर,
रख लिया तो दुःख नहीं फिर,
माँ कि जिसकी स्नेह–धारा,
का यहाँ तक भी पसारा,
उसे लिखना नहीं आता,
जो कि उसका पत्र पाता ।

अ) कौन, किससे, क्या बातें कर रहा है ?

ब) 'भुजा भाई, और 'प्यार बहिनें', शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

स) कवि के लिए माँ एक 'गढ़ी' के समान क्यों है ?

द) माँ की किस कमी का उल्लेख कवि ने किया है ? अगर माँ में वह कमी नहीं रहती तो क्या होता ?

अथवा

हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर
मँगवाओ मुझसे भीख
और कुछ ऐसा करो
कि भूल जाऊँ अपना घर पूरी तरह
झोली फैलाऊँ और न मिले भीख
कोई हाथ बढ़ाए कुछ देने को
तो वह गिर जाए नीचे
और यदि में झुकूँ उसे उठाने
तो कोई कुत्ता आ जाए
और उसे झपटकर छीन ले मुझसे ।

क) कौन किससे क्या प्रार्थना कर रहा है ?

ख) ईश्वर की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

ग) 'अपना घर' से क्या तात्पर्य है ? कवयित्री उसे क्यों भूल जाना चाहती है ?

घ) उपर्युक्त पद्यांश क्या संदेश देता है ?

प्र.8 निम्नलिखित काव्यांश के भाव सौंदर्य और शिल्प सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए – (3+3=6)

निर्भय, दृढ़ गंभीर भाव से गरज रहा सागर है ।

लहरों पर लहरों का आना सुंदर, अति सुंदर है ।

अथवा

और इस अविश्वास भरे दौर में
थोड़ा–सा विश्वास
थोड़ी–सी उम्मीद
थोड़े–से सपने
आओ, मिलकर बचाएँ
कि इस दौर में भी बचाने को
बहुत कुछ बचा है,
अब भी हमारे पास !

प्र.9 क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है । इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं ? **(2)**

ख) लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं – इसके संदर्भ में अपने तर्क दीजिए । **(2)**

ग) कवयित्री निर्मला पुतुल ने ऐसा क्यों कहा कि – दिल के भोलेपन के साथ–साथ अक्खड़पन और जुझारुपन भी आवश्यक है ? **(2)**

प्र.10 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

श्रीनगर की इसी यात्रा में मेरी भेंट प्रख्यात फ्रेंच फोटोग्राफ़र हेनरी कार्तिए – ब्रेसाँ से हुई। मेरे चित्र देखेने के बाद उन्होंने जो टिप्पणी की वह मेरे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा ''तुम प्रतिभाशाली हो, लेकिन प्रतिभाशाली युवा चित्रकारों को लेकर मैं संदेहशील हूँ । तुम्हारे चित्रों में रंग है, भावना है, लेकिन रचना नहीं है । तुम्हें मालूम होना चाहिए कि चित्र इमारत की ही तरह बनाया जाता है – आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत और तब जाकर वह टिकता है । मैं कहूँगा कि तुम सेज़ाँ का काम ध्यान से देखो ।''

क) लेखक श्रीनगर कब और किसलिए गया था ? **(2)**

ख) लेखक की श्रीनगर में किससे भेंट हुई ? उस व्यक्ति ने लेखक से क्या कहा ? **(2)**

ग) लेखक को श्रीनगर में मिले व्यक्ति की टिप्पणी महत्त्वपूर्ण क्यों लगी ? **(2)**

घ) लेखक को श्रीनगर यात्रा से क्या प्रेरणा मिली ? **(2)**

अथवा

मोहन को लेकर मास्टर त्रिलोक सिंह को बड़ी उम्मीदें थीं । कक्षा में किसी छात्र को कोई सवाल न आने पर वही सवाल वे मोहन से पूछते और उनका अनुमान सही निकलता । मोहन ठीक–ठाक उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट कर देता और तब वे उस फिसड्डी बालक को दंड देने का भार मोहन पर डाल देते ।

क) मोहन कौन था ?

ख) मास्टर त्रिलोक सिंह को मोहन से क्या उम्मीद थी ?

ग) मास्टर त्रिलोक सिंह का क्या अनुमान सही निकलता ?

घ) मास्टर त्रिलोक सिंह मोहन को क्या करने को कहते थे ?

प्र.11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(3×4=12)**

क) आठ करोड़ प्रजा के गिड़गिड़ाने और विच्छेद न करने की प्रार्थना पर आपने ज़रा भी ध्यान नहीं दिया – यहाँ किस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत किया गया है ?

ख) 'रजनी' पाठ के अंतर्गत आपको क्या शिक्षा मिली । तर्क सहित उत्तर दीजिए ?

ग) 'जामुन का पेड़' पाठ के भीतर किन जीवन मूल्यों को उभारा गया है ?

घ) बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने क्या–क्या संघर्ष किए ?

ङ) 'गलता लोहा' कहानी आज के परिप्रेक्ष्य में किस प्रकार पूर्ण रूप से सही साबित होती है । अपने विचार प्रकट कीजिए ।

प्र.12 'वितान' पाठ्यपुस्तक के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए । **(3+3=6)**

क) 'तुम दूसरी आशापूर्ण देवी बन सकती हो' जेठू का यह कथन किन जीवन मूल्यों को को उद्घाटित करता है ?

ख) कुईं बनाने की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए ।

ग) लेखक कुमार गंधर्व के अनुसार लताजी का 30 मिनट का गायन शास्त्रीय संगीत के तीन घंटे से भी अधिक प्रभावशाली है कैसे ?

प्र.13 ''आलो–आँधारि'' घरेलू कामकाज करने वालों की व्यथा–कथा है ।'' इस बात को हम अपने आस–पास देख सकते हैं । इस पाठ को पढ़कर आपके मन में जो विचार उत्पन्न हुए हैं उन्हें स्पष्ट कीजिए । **(4)**

अथवा

'राजस्थान की रजत बूँदें' पाठ दिनों–दिन बढ़ती पानी की समस्या से निपटने में आपकी कैसे मदद कर सकता है ? अपनी राय लिखिए ।